MR. DEPUTY CHAIRMAN: For Clause 4 there is an amendment. Mr. Bhupesh Gupta— not here; then, Mr. Kalyanasundaram—not here.

Clause 4 was added to the Bill.

Clause 5 to 9 were added to the Bill.

Clause 1, and the Enacting Formula were added to the Bill.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There are some amendments for the Preamble in the names of Mr. Pyarelal Khandelwal, Mr. Bhupesh Gupta and Mr. Kalyanasundaram. The Members are not here.

The Preamble was added to the Bill.

The Title was added to the Bill.

SHRI R. VENKATARAMAN: Sir, I move:

"That the Bill be retrned."

The question was put and the motion was adopted.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now we go to the next item, Calling-Attention.....

REFERENCE TO TALWAR COMMITTEE REPORT ON THE WORKING CONDITIONS OF SCIENTISTS IN I.C.A.R.

डा० भाई महावीर (मध्य प्रदेश) : श्रीमन्, एक मिनट की इजाजत चाहता हूं अपना एक निवेदन करने के लिए । श्रीमन्, 26 अगस्त को पिछले साल एक कमेटी ने रिपोर्ट दी जिस का जिक्र मैं इस सदन में कर चुका हूं । वह कमेटी तलवार कमेटी थी और उसको इसलिए नियुक्त किया गया था कि आई० सी० ए० आर० के साइंटिस्ट्स की जो वर्किंग कन्डीशन्स है उन के बारे में जांच करे । वह महत्व का विषय इसलिए था कि कई साइंटिस्ट आत्म-हत्या कर चुके थे । महोदय, वह रिपोर्ट 26 अगस्त को सरकार को भेज दी गयी और 26 नवम्बर को जब मैंने यह सवाल उठाया तो कृषि मंत्री जी ने कहा कि वह रिपोर्ट के मसविदे को या उस के सार को सदन के पटल पर रख देंगे । महोदय, आज तक वह नहीं हुआ । उसके बाद जब यह सत्र शुरू हुआ तो मैंने यह सवाल उठाया । एक बार आपके माध्यम से यह करवाने की कोशिश की । मंत्री जी को स्वयं दो-तीन बार व्यक्तिगत तौर पर इसको याद दिलाने का प्रयास किया, परन्तु आज तक मंत्री जी की यह कृपा नहीं हुई की सात महीने में वे सरकार ने जो कमेटी बनायी थी उस की रिपोर्ट को भी सदन के सामने लाये या हमें बताये कि क्या कर रहे है । इससे साबित होता है कि सरकार कमेटी बनाती है तो किसी सवाल को टालने और लटका देने के लिए यह प्रयास किया जाता है, उसको हल करने या उस पर विचार करने का कोई इरादा नहीं होता । तो मैं मंत्री जी से आप के द्वारा यह आग्रह करना चाहता हूं कि कम से कम आज वह सत्र समाप्त होने के पहले अपने दिये हुए आश्वासनों को तो पूरा करें । यह विशेषाधिकार बनेगा या नहीं, परन्तु मैं समझता हूं कि यह बहुत अनौचित्य से भरी बात है ।

CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Threat to National integration due to increasing movements of Regionalism and Casteism

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश) श्रीमन्, देश में प्रादेशिकता तथा जातिवाद सम्बन्धी आन्दोलनों में वृद्धि के कारण राष्ट्रीय एकता को खतरे तथा इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा उठाये गये कदमों की ओर गृह मंत्री जी का ध्यान दिलाता हूं।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI YOGENDRA MAKWANA): Sir, Government views with grave concern the emergence of divisive forces like regionalism and casteism which pose a threat to the national integrity. While on the one hand the Government is determined to curb these forces, on the other hand they are also anxious that there should be a balanced regional growth throughout the country. A number of measures have been taken in this regard. To mobilise a national consensus against divisive forces, the National Integration Council has been revived on the 1st September, 1980 under the Chairmanship of Prime Minister. The membership of the Council has been broad-based so as to include Chief Ministers of States, leaders of political parties, eminent educationists and social workers and persons representing various other interests. The Prime Minister has also appealed to all the political parties to cooperate with the Government in seeking a broad consensus on national issues.

It is of historic importance that recently the Lok Sabha unanimously adopted a Motion expressing its concern and anxiety over the situation prevailing in Gujarat and exhorting every citizen of the country to strive for restoration of peace and normalcy and make united efforts at the National level. The Government is determined to make all efforts to promote National Integration with the cooperation of all political parties and individuals of all shades of opinion.

We seek the cooperation of all sections of the House in making success of the efforts in this direction.

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : उपसभापति महोदय, हम लोग इस तरह के स्टेटमेंट बहुत सुनते आ रहे हैं और मुझे बहुत नम्रता के साथ कहना है कि आज देश में जो जातिवाद की आग तेजी से बढ़ रही है, फैलती जा रही है उस की पूरी-पूरी जिम्मेदारी सरकारी दल के ऊपर है और आज भी सरकार के ऊपर है। श्रीमन्, आज जातिवाद के साथ-साथ देश में हरिजनों के साथ जो व्यवहार हो रहा है वह गांधी जी के सारे कर्मों पर मिट्टी डाल रहा है। श्रीमन्, तीस सालों में इस सरकार ने क्या किया? गांधी जी की अभिलाषा थी कि दिल्ली की सर्वोच्च कुर्सी पर एक हरिजन की लड़की बैठेगी और उसके सलाहकार पंडित जवाहरलाल होंगे। मगर वह सपना तीस, पैंतीस साल में पूरा होने की बात देखने को नहीं मिली और मैं देख रहा हूं कि ऊंची जाति के लोग आज इस देश में बहुत ही निम्न स्तर का जातिवाद चला रहे हैं और आजादी के पहले हरिजनों के साथ जो व्यवहार था उससे ज्यादा घटिया किस्म का व्यवहार आज उन लोगों के साथ किया जा रहा है। श्रीमन्, इस 30, 35 साल में कितने ही राष्ट्रपति हुए, मगर कोई हरिजन उस योग्य नहीं समझा गया। प्रधान मंत्री भी तीन, चार बदले, मगर कोई भी उस योग्य नहीं समझा गया।

श्रीमती प्रतिभा सिंह (बिहार) : आपने जगजीवन राम जी को क्यों नहीं बनाया?

श्रीमती सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : उपराष्ट्रपति भी अभी तक कोई नहीं बना पाये।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Miss Khaparde, please let him speak.

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : श्रीमन्, यह इल्जाम पुरुषों पर लगता है कि वे महिलाओं को छेड़ते हैं, मगर मैं आप के पास रिपोर्ट लिखाना चाहता हूं कि सदन में और सदन के बाहर यह महिलायें हम लोगों को छेड़ती हैं। आप के पास

मैं यह रिपोर्ट लिखाना चाहता हूं । (व्यवधान)

डा० भाई महावीर: (मध्य प्रदेश) : छेड़ने का भाव क्या है इसको स्पष्ट किया जाय । (व्यवधान)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : आज श्रीमन्, देखें कि उत्तर प्रदेश में, बिहार में और मध्य प्रदेश में जो मुख्य अंग है इस देश के, क्या आप ने किसी हरिजन को मुख्य मंत्री वहां होने दिया ? आप ने किसी हरिजन को आगे आने दिया ? श्रीमन्, केवल हरिजन ही नहीं, पिछड़ी जातियों के साथ भी घोर अन्याय हो रहा है और मैं कहना चाहता हूं कि आज जो गुजरात में हो रहा है और गुजरात का असर राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में हो रहा है, यह और आगे फैलता जायगा यह आग फैलती जायेगी अगर पिछड़ी जातियों के साथ, हरिजनों के साथ यह ऊंची जातियों के अन्याय बंद नहीं हुए तो इस देश में क्या होगा कोई कह नहीं सकता है । श्रीमन्, मैं क्षेत्र के सवाल को बाद में लूंगा । पहले इस जातिवाद के सवाल को ले रहा हूं । श्रीमन्, गुजरात में जो शुरुआत हुई, वहां कांग्रेस की सरकार है, आप यह नहीं कह सकते कि वहां दूसरों की सरकार है, लेकिन वहां गांव गांव में हरिजनों के घर जलाये जा रहे है, गांव गांव में हरिजनों के घरों को लूटा जा रहा है और हरिजन बड़े पैमाने पर गांवों को छोड़ कर भाग रहे हैं । इसका असर क्या होगा ? इसकी शुरुआत गुजरात से नहीं हुई है । इस जातिवाद की शुरुआत दिल्ली से हुई है ।

एक माननीय सदस्य : चौधरी चरण सिंह ने की है ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : तो मैं कहना चाहता हूं कि चौधरी चरण सिंह पिछड़ी जातियों के लिये पैदा हुए हैं, लड़ रहे है और लड़ते रहेंगे और इस जातिवाद के अन्याय के खिलाफ हमेशा लड़ेंगे और इस को मिटायेंगे ।

श्रीमती सरोज खापर्डे : जब वह यहां थे तब हम ने यह सब देखा है ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Miss Khaparde, please take your seat. श्रीमती सरोज खापर्डे जी मैं अनुरोध करूंगा कि अगर आप टोका-टोकी करेंगी तो बहुत लम्बी कार्यवाही चलेगी मुझे कोई आपत्ति नहीं, मैं तो रात 12 बजे तक बैठ सकता हूं। आपकी टोका-टोकी से वह रुकने वाले नहीं है। इसलिये आप शान्त रहे । अगर आप को कुछ कहना हो तो आप इस कालिंग अटेंशन पर अपनी पार्टी से नाम भिजवा दीजिए और मैं उन के व्हिप से कहूंगा कि वे श्रीमती सरोज खापर्डे जी का नाम भेज दें । वह बहुत उतावली हो रही हैं बोलने के लिए उनको वे बोलने का मौका दें किन्तु आप अनावश्यक अवरोध पैदा न करें । यह उचित नहीं है ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : श्रीमन्, एक तरफ यह कहा जाता है कि हरिजनों के साथ हम न्याय करना चाहते हैं दूसरी तरफ़ यह हो रहा है कि जो अधिकार हरिजनों को मिले हुए हैं उनको सरकार छीन रही है । रोस्टर सिस्टम को बदला जा रहा है और जो कैरी-आन का प्रोसेस है, जो कोटा एक साल में पूरा नहीं हुआ वह दूसरे साल में जाएगा तो उसको भी समाप्त करने का फैसला कर लिया है । श्रीमन, यह सरकार के कम्पोजिशन से ही सारी बातें सामने आती हैं । वहां का जो मंत्रिमंडल है उसमें 12 ऊंची जाति के लोग हैं और वह भी केवल दो जाति के है । केवल दो हरिजन हैं और वे भी डिप्टी मिनिस्टर हैं ।

[श्री नागेश्वर प्रसाद शाही]

इतनी बड़ी कैबिनेट में एक भी हरिजन कबिनेट मिनिस्टर नहीं है और एक भी बकवर्ड क्लास का आदमी कैबिनेट मिनिस्टर नहीं है।

श्री महेन्द्र मोहन मिश्र (बिहार) यह कहां हुआ है ?

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : गुजरात में हुआ है, गुजरात का मैं कह रहा हूं। यह जातिवाद को समाप्त करने की व्यवस्था है ?

श्रीमन् इल्जाम लगाये जाते है। माननीय मकवाणा साहब नाम लेते हैं चिमनभाई पटेल का कि लोकदल के लोग कराते हैं। मैं पूछना चाहता हूं इनसे कि दो हज़ार लोग जो गिरफ्तार हुए हैं, उनमें एक भी लोकदल का कार्यकर्ता है ? आपके चीफ मिनिस्टर ने इस बात को स्वीकार किया है कि उसमें अधिकांश कांग्रेस आई के है, बी० जे० पी० के हैं और जनता पार्टी के हैं और एक भी लोकदल का नहीं है। . . (**व्यवधान**)

एक माननीय सदस्य : जनता का कोई भी नहीं है। . . . (**व्यवधान**)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : हमारी पार्टी का डेलिगेशन गया था, चीफ मिनिस्टर ने कहा। कांग्रेस आई के जो प्रमुख लोग हैं वे उसमें हैं। श्री के० के० शाह प्रमुख नेता है, श्री एन० के० शाह प्रमुख नेता हैं उस पार्टी के। श्री नरेश झा प्रमुख नेता हैं उस पार्टी के और यह चीफ मिनिस्टर ने स्वीकार किया कि उस पार्टी के विधायक भी उसमें शामिल है और आज तक श्रीमती गांधी ने उन विधायकों को अपने दल से एक्सपेल नहीं किया। आपका यह नक्शा है। मेरा श्रीमन्, यह कहना है कि अगर इस देश में जातिवाद पनप रहा है और क्षेत्रीयता बढ़ रही है तो इस पार्टी की वजह से। यह पार्टी अपने स्वार्थ के लिए, अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश की एकता को खतरा पैदा कर रही है।

श्रीमन्, मैं दिल्ली से शुरू करूंगा सूबे के चीफ मिनिस्टर तो दिल्ली की नकल करते हैं। दिल्ली की जो कैबिनेट 20 की बनी उसमे 10 एक ही जाति के हैं। मैं नाम नहीं लूंगा। इसमें 14 ऊंची जातियों के हैं। एक केवल हरिजन है और बैकवर्ड केवल 3 हैं। कहने के लिए मैं जानना चाहता हूं कि क्या रामानन्द यादव और माननीय श्यामलाल यादव जी मंत्री होने के योग्य नहीं थे।

(**व्यवधान**)

श्री सभापति : मुझे मत रखिए उसमें। आप औरों का कहिये मेरा नाम मत कहिये. . . (**व्यवधान**)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : आपसे मेरा मतलब नही है, मेरा मतलब यह है कि क्या ये मंत्री होने की योग्यता नहीं रखते थे ? लेकिन एक जाति की सरकार चलाई जाएगी तो इस देश में सामाजिक न्याय की बात कहीं जाएगी। (**समय की घंटी**)

श्रीमन्, घंटी रोकिये . . .

श्री उपसभापति : 10 मिनट हो गये। विषय बहुत हो गया। . . . (**व्यवधान**)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : उत्तर प्रदेश की सरकार का जो मंत्रिमंडल है, उसको उठाकर देख लें।

केवल ऊंची जाति के लोग है वहां पर । यही बिहार में है, मध्य प्रदेश में है । आप माफ कीजिएगा मैं बताना चाहता हूं कि 1976 में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का जो बोर्ड बना था उसमें 13 सदस्य थे । उसमे से 8 एक जाति के थे । 13 में से 10 ऊंची जाति के थे । एक हरिजन था, एक बैकवर्ड था और एक मुसलमान था । 10 ऊंची जाति के थे और उसमे से 8 एक जाति के थे । (**व्यवधान**)

श्री उपसभापति : हो गया, अब समाप्त करिये । इतने ब्यौरे में मत जाइये । (**व्यवधान**)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : ब्यौरे में नहीं जा रहा हूं । जातीयता राजनीतिक क्षेत्र से एक्जीक्यूटिव में पहुंच गई है । बहुत दुख के साथ कहना पड़ता है कि जुडिशियरी में भी पहुंच गई है । मैं नाम नहीं लूगा ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Don't attack the Judges.

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: I am not attacking the Judges. I am simply saying that casteism...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is blaming.

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: I am not blaming anybody.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is obvious.

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: Sir, casteism is pervading from politics to the executive.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Reference to the Judge will not be recorded.

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : यह हरिजनों के साथ अत्याचार है । यह अत्याचार गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तक ही सीमित नहीं है यह चला गया है काश्मीर तक । जो 35 हजार लोग वहां है जिन्हें जमीन खरीदने का, नौकरी करने का, वोट देने का, बैंक से लोन लेने का हक नही है उसमें 90 फीसदी हरिजन हैं ... (**व्यवधान**)

श्री शरीफुद्दीन शारिक (जम्मू और काश्मीर) : हम असम नही बनने देंगे काश्मीर को । कितनी देर तक आप इसको चलायेंगे । जातपात, रीजनलिज्म की हवा लगेगी तो हम इसको चलने नहीं देंगे । (**व्यवधान**)

श्री उपसभापति : शाही जी आपने अपनी सब बात कह दी । अब समाप्त करिये ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : बम्बई की ईला बेन जिनको मैगससे पुरस्कार मिला है गुजरात के हरिजनों के साथ, रिजर्वेशन के साथ सहानुभूति रखते हैं इसलिये उनको पुरस्कार दिया जा रहा है । डाक्टर अच्युत की पत्नी क्योंकि गुजरात में हरिजनों के साथ है उनको पुरस्कार दिया जा रहा है और उनके पति को भी पुरस्कार दिया जा रहा है । दलित रक्षक समिति, राजकोट जो गुजरात की है इसने इस में वर्णन किया है कि गुजरात में हरिजनों के साथ क्या हो रहा है । इससे यह लगता है कि यह सरकार करप्ट ही नहीं है ..

श्री उपसभापति : वह प्रश्न नहीं है आज । कृपया आप समाप्त करिये ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : कास्टीज्म समाप्त किया ।

श्री उपसभापति : आपको 15 मिनट हो गये है । समाप्त करिये ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : दो मिनट में समाप्त करता हूं । बंगलोर में यह पर्चा छपा है । इसको सब जगह बांटा गया है ।

श्री उपसभापति : आप जबानी कहिये जो कुछ कहना है । पर्चे को मत पढ़िये ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : इसमें कहा गया है कि अगर केरलाइट्स और तमिलनाडु के लोग बंगलोर छोड कर नहीं जायेंगे, तो उनका पानी, बिजली सब कुछ बंद कर दिया जाएगा ।

श्री उपसभापति : समाप्त करिये ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : मैं समाप्त कर रहा हूं । आप संतोष रखिये ।

श्री उपसभापति : आप सुझाव दे नहीं रहे है घटनाएं बताए जा रहे हैं ।

1 P. M.

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : केरल के मुख्य मंत्री ने प्रधान मंत्री को चिट्ठी भेजी है । महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री की साजिश से वहां की शिव सेना ने जो उत्पात मचाया उस उत्पात की वजह से वहां पर केरेलाइट्स का रहना मुश्किल हो गया है । जो जूलूस वहां पर निकाला गया . . . (समय की घंटी)

श्री उपसभापति : अब आप समाप्त कीजिये ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : वहा पर शिव सेना का जो जुलूस निकला, वह मुख्य मंत्री के सहयोग से निकला । यह जुलूस जब ऐसेम्बली भवन के पास से निकला तो रास्ते मे जितने भी केरेलाइट्स थे, उनकी जो दुकानें थी, उनको लूटा गया, उनके घरों को लूटा गया और रास्ते मे जो लोग मिले उन्हें पीटा गया और घायल किया गया . . . (**व्यवधान**) ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down now. *(Interruptions)*

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : मंत्री जी हरिजन है, इसीलिए उनको होम-मिनिस्टर नहीं बनाया गया है । हरिजन होने के वजह से उनको पूरा होम मिनिस्टर नहीं बनाया गया है । वे गृह मंत्रालय का सारा काम करते हैं, लेकिन फिर भी उनको होम मिनिस्टर नही बनाया गया है । इसलिए मै यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार जातीयता को इस तरह से बढ़ा रही है या खत्म कर रही है ?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing to reply, I think.

श्री योगेन्द्र मकवाणा : श्रीमन्, माननीय सदस्य ने जो बातें कही हैं उनमें कोई सवाल नहीं उठाया है । इसलिए उनके भाषण में कोई रिप्लाई देने की बात भी नही है । एक-दो बातें माननीय सदस्य ने कही है, उनके बारे मे मैं जरूर कुछ कहना चाहता हू । अपनी तकरीर में माननीय सदस्य ने कहा कि एक भी चीफ मिनिस्टर हरिजन नही है । आप जानते है कि राजस्थान के चीफ मिनिस्टर हरिजन हैं । माननीय सदस्य इस बात को अच्छी तरह से जानते है, लेकिन फिर भी ऐसी गलत बात क्यों करते हैं, यह मैं नहीं समझ पा रहा हूं ।

SHRI NARASINGHA PRASAD NANDA (Orissa): Sir, I am on a point of order. The Minister should not adopt this approach. This is a very dangerous approach. He is trying to justify that they are also having Harijan Ministers as if to answer an accusation.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no, he is not supporting.

SHRI NARASINGHA PRASAD NANDA: You must condemn casteism, regionalism and all that. There are people who want to trap you. What is this? This is a wrong approach.

श्री योगेन्द्र मकवाणा : श्रीमन्, मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि माननीय सदस्य श्री नंदा इतने गुस्से में क्यों हैं? जो सही बात थी वह बतानी जरूरी है। लेकिन इसके मायने यह नहीं है कि हम कास्टिजम को प्रोटेक्ट कर रहे हैं We are not only against the disadvantages created by casteism, but we also against the caste system itself. We are against it.

मैं यह बताने की कोशिश कर रहा था कि माननीय सदस्य ने कई बातें ऐसी उठाई हैं जिनका जवाब देने की जरूरत नहीं है। लेकिन कुछ बातों की सफाई करना बहुत जरूरी है। जैसा मैंने कहा, माननीय सदस्य ने कई बातें उठाई है। उन्होंने कहा कि हमारे दल के बहुत से लोग है जो जातिवाद को बढ़ाते हैं। लेकिन मैं इतना जरूर कहना चाहता हूं कि इसमें किसी दल का सवाल नहीं है। जो लोग उत्पात करते है, जो एजीटेशन करते हैं जो लोग कास्टिजम को प्रमोट करते है, वे चाहे किसी भी दल के हों, किसी भी पार्टी के हों, उनकी चाहे कोई भी विचारधारा हो, हम उन सब को कन्डेम करते हैं। मैं माननीय सदस्य को यह भी यकीन दिलाना चाहता हूं कि हमारे दल का जो कोई भी आदमी ऐसा होगा, हम उसके बारे में कड़ा से कड़ा एक्शन लेंगे।

श्री उपसभापति : अब सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned for lunch at four minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at two minutes past two of the clock,

Mr. Deputy Chairman in the Chair.

RE. REQUEST FOR SITTING OF THE HOUSE ON THE 27TH MARCH, 1981 TO DISCUSS THE AMERICAN ARMS BUILD-UP IN PAKISTAN—contd.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Before we start the normal business I would like to make one small submission. As the hon. Members are aware, in the morning it was suggested that whether we can meet tomorrow and the External Affairs Minister may be present here to listen to the views of the Members here on the developments that are taking place in one of our border countries. I ascertained from the Minister of External Affairs. Unfortunately, his Ministry's Demands are coming up for discussion in the other House either this evening or tomorrow. So, it would not be possible for him to be present here. Therefore, I would like to suggest that we can have a discussion on it sometime when we meet after the short recess.

SHRI BHUPESH GUPTA: I do not know. Is it necessary for the External Affairs Minister to be absolutely present all the time? That is what I ask.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI YOGENDRA MAKWANA): Who will reply?

SHRI BHUPESH GUPTA: We are not discussing any Demands or any such thing. You can also deal with it; you are quite competent. This is such an issue for which he can come and deal with. I know discussions on Demands are going on there. He can easily come here and do it. In any case the Minister never sits there all the time, as you see. When the Demands are discussed, Ministers come out for other work; I do not blame them; they have to. He says we can discuss after the short recess. But meanwhile many things will have